Autonomous Body for Dandakaranya

*1969. **Shri Sanganna:** Will the Minister of Rehabilitation and Minority Affairs be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 260 on the 9th November, 1957 and state:

(a) whehter the proposal for creating an autonomous body for Dandakaranya has materialized; and

(b) if so, the nature thereof?

The Minister of Rehabilitation and Minority Affairs (Shri Mehr Chand Khanna): (a) and (b). The question of the setting up of an appropriate organisation to administer the Dandakaranya Scheme is still under the consideration of Government.

Burmese Trade Mission

*1990. **Shri S. M. Banerjee:**
Shri Panigrahi:
Shri Rameshwar Tantia:
Shri V. C. Shukla:
Shri Hem Barua:

Will the Minister of **Commerce and Industry** be pleased to state:

(a) whether a Burmese Trade Mission is visiting India soon; and

(b) if so, its purpose?

The Minister of Commerce (Shri Kanungo): (a) and (b). A Burmese Delegation is in New Delhi discussing matters relating to trade and payments between India and Burma.

खादी बुनने वाले

३११९. **श्री म० ला० द्विवेदी** : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बिहार में मधुबनी के खादी बुनने वालों ने केन्द्रीय सरकार से शिल्पिक राय मांगी है ; और

(ख) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री लाल बहादुर शास्त्री) : (क) जी, नहीं ।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता ।

कार्बन ब्लेक का आयात

३१२०. **श्री म० ला० द्विवेदी** : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) रबड़ उद्योग में काम में आने वाले कार्बन ब्लेक का आयात इस समय किन-किन देशों से होता है ;

(ख) प्रत्येक देश से इसकी कितनी मात्रा आयात की जाती है ; और

(ग) देश में इसके उत्पादन के लिये क्या कदम उठाये जा रहे हैं ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री लाल बहादुर शास्त्री) : (क) तथा (ख) एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है जिसमें जनवरी से नवम्बर १९५७ तक हुआ कारबन ब्लेक का आयात देशानुसार दिखाया गया है । [देखिये परिशिष्ट ८, अनुबन्ध संख्या ९६]

(ग) भारत में कारबन ब्लेक बनाने के बारे में जांच पड़ताल करने के लिये सरकार ने दो रुमानियन विशेषज्ञों को शीघ्र ही भारत आने के लिये निमन्त्रित किया है । सरकार एक जर्मन फर्म के सहयोग से भी तारकोल के प्रभागों से कारबन ब्लेक बनाने के बारे में जांच पड़ताल करा रही है। इसके अलावा एक भारतीय औद्योगिक भी देश में कारबन ब्लेक बनाने का उद्योग चालू करने के लिये एक प्रमुख अमरीकी फर्म से बातचीत कर रहे हैं।